2019/TDC/EVEN/HINDSC/
HINGEC–201T/027

TDC (CBCS) Even Semester Exam., 2019

HINDI

(2nd Semester)

Course No. : HINDSC–201T/HINGEC–201T

(मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 70
Pass Marks : 28

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** अतिलघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×20=20

(क) 'बीजक' किस कवि से संबंधित है?

(ख) किस आलोचक ने कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' कहा है?

(ग) ''जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।'' यह पंक्ति किस कवि द्वारा रचित है?

(घ) जायसी द्वारा रचित महाकाव्य का नाम लिखिए।

(ङ) जायसी इस्लाम के किस साधना-पद्धति के कवि हैं?

(च) सूरदास कृत किसी एक ग्रंथ का नाम लिखिए।

(छ) सूरदास की काव्य-भाषा का नाम लिखिए।

(ज) सूरदास किस मार्ग में दीक्षित थे?

(झ) सूरदास के गुरु का नाम लिखिए।

(ञ) सूरदास रचित भक्तिभाव दर्शाने वाले किसी पद की पंक्ति लिखिए।

(ट) किस विद्वान ने गोस्वामी तुलसीदास को 'कलियुग का वाल्मीकि' कहा है?

(ठ) 'कवितावली' हिन्दी की किस बोली में रची गई है?

(ड) 'रामचरितमानस' में कुल कितने काण्ड हैं?

(ढ) 'तू दयालु दीन हौं तू दानि हौं भिखारी' में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

(ण) तुलसी की माता का नाम लिखिए।

(त) मीराँ के आराध्य कौन हैं?

(थ) मीराँ ने अपने आराध्य के साथ कौन-सा संबंध स्वीकार किया?

(द) मीराँ के जीवन का अंतिम समय कहाँ बीता?

(ध) रसखान कृत किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(न) रसखान की काव्य-भाषा क्या है?

(प) बिहारी कृत ग्रंथ का नाम लिखिए।

(फ) बिहारी ने अपनी रचना किस छंद में की है?

(ब) 'कनक-कनक तै सौगुनी मादकता अधिकाय' में कौन-सा अलंकार है?

(भ) घनानंद रीतिकाल की किस धारा के कवि हैं?

(म) घनानंद की प्रेमिका का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित लघूतरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

(क) 'साखी' का परिचय दीजिए।

अथवा

जायसी की रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) अष्टछाप के किन्हीं **चार** कवियों के नाम लिखिए।

अथवा

'सूरसागर' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ग) तुलसीदास रचित किन्हीं चार ग्रंथों के नाम लिखिए।

अथवा

'कवितावली' पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) मीराँ के आराध्य का स्वरूप बताइए।

अथवा

सुजान रसखान का परिचय दीजिए।

(ङ) 'बिहारी सतसई' पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

घनानंद के काव्यादर्श पर प्रकाश डालिए।

3. (क) बनिजारा खण्ड के भाव-सौंदर्य को उद्घाटित कीजिए। 5

अथवा

कबीर के विरह-वर्णन की प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण लिखिए।

(ख) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 3

सबहीं लीन्ह बेसाहना औ घर कीन्ह बहोर।
बाम्हन तहवां लेइ का? गांठि सांठि सुठि थोर॥

अथवा

विरह भुवंगम तन बसैं, मंत्र न लागे कोइ।
राम बियोगी ना जिअै, जिअै त बौरा होई॥

4. (क) सूर के वात्सल्य-वर्णन पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 5

अथवा

'भ्रमरगीत' की प्रमुख चार विशेषताएँ बताइए।

(ख) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 3

चरन-कमल बंदौं हरि राय
जाकी कृपा पंगु गिर लंघै, अंधे को सब कछु दरसाइ।

अथवा

ऊधौ मन न भए दस बीस।
एक हुतौ सो गयो स्याम संग, को अवराधै ईस।

5. (क) 'अजेय रथ' का मूल-भाव लिखिए। 5

अथवा

तुलसीदास की विनय-भावना की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ख) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 3

हरित भूमि तृन संकुल समुझि परहिं नहिं पंथ।
जिमि पाखंड बाद तें गुप्त होहिं सद ग्रंथ॥

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख बलि
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी।
जीविका विहीन लोग सिद्यमान सोच बस
कहैं एक एकन सों कहा जाइ का करी॥

6. (क) मीराँ की भक्ति का वैशिष्ट्य बताइए। 5

अथवा

रसखान की काव्य-भाषा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ख) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 3

पग घुँघरू बाँध मीरा नाची रे।
लोग कहैं मीराँ भई बावरी, सास कहे कुल नासी रे

अथवा

टेरि कहौं सिगरे ब्रज लोगन
काल्हि कोऊ सु कितौ समुझैहै।
माइ री वा मुख की मुसकानि
सम्हारी न जैहै न जैहै न जैहै॥

7. (क) बिहारी के संयोग श्रृंगार की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। 5

अथवा

रीतिमुक्त कवि के रूप में घनानंद की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(ख) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 3

मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँईं परै, स्यामु हरित-दुति होइ॥

अथवा

झलकै अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलन में छबि-फूलन की बरषा उर ऊपर जाति है ह्वै॥

★ ★ ★